ई.एच.आई.-05

# स्नातक उपाधि कार्यक्रम
# (बी.डी.पी.)

## सत्रीय कार्य
## (जुलाई 2022 और जनवरी 2023 सत्रों के लिए)

### पाठ्यक्रम कोड : ई.एच.आई.-05

### पाठ्यक्रम शीर्षक : भारत : 18वीं शताब्दी के मध्य से 19वीं शताब्दी के मध्य तक

इतिहास संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली - 110068

# सत्रीय कार्य
## 2022-2023

**कार्यक्रम कोड : बी.डी.पी.**
**पाठ्यक्रम कोड : ई.एच.आई.-05**

**प्रिय विद्यार्थी,**

जैसा कि आपको बी.डी.पी. की कार्यक्रम दर्शिका में बताया गया है आपको इस ऐच्छिक पाठ्यक्रम के लिए एक अध्यापक जांच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करना होगा।

| सत्र | जमा करने की तिथि | कहां जमा करना है |
|---|---|---|
| जुलाई 2022 सत्र के लिए | 31 मार्च 2023 | पूरा किया हुआ सत्रीय कार्य अपने केंद्र के संयोजक के पास जमा करा दें। |
| जनवरी 2023 सत्र के लिए | 30 सितम्बर 2023 | |

सत्रीय कार्य में दिए गए प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को सावधानीपूर्वक पढ़ लीजिए।

**सत्रीय कार्य करने से पहले कुछ बातें :**

सत्रीय कार्य करने से पहले ध्यान रखें : सामाजिक विज्ञानों में किसी भी तरह के लेखन के लिए चार सोपान आवश्यक हैं। ये हैं (क) योजना (ख) वस्तु चयन (ग) प्रस्तुतीकरण (घ) व्याख्या

**क)** **योजना** : आपसे क्या प्रश्न पूछा गया है और उत्तर में क्या लिखना है। इस पर विचार कीजिए। इकाइयों का ठीक तरह से अध्ययन कीजिए। कुछ अतिरिक्त जानकारी चाहें तो पुस्तकालय का उपयोग कीजिए।

यह देखें कि प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों में देना है या 250 शब्दों में या सिर्फ 100 शब्दों में। बड़े प्रश्नों के लिए विवरणों के साथ व्याख्या भी करनी होगी। तीसरे प्रकार के प्रश्न के उत्तर में संगत विवरणों को संक्षेप में प्रस्तुत करें।

**ख)** **वस्तु चयन** : उत्तर देने के लिए आपको सही तथ्यों तथा विवरणों का चयन करना होगा। इसके लिए आप (i) अपनी इकाइयों से नोट्स लें, (ii) तथ्यों को ध्यान से देखें और उत्तर के लिए अनावश्यक विवरण निकाल दें, और (iii) उत्तर का पहला खाका लिख लें। इससे आपको यह समझने में मदद मिलेगी कि आप उत्तर में क्या सूचनाएं/विवरण प्रस्तुत करना चाहते हैं।

**ग)** **प्रस्तुतीकरण** : अब आप उत्तर का दूसरा खाका तैयार करें। इससे आप अपने विचारों को स्पष्टता से व्यक्त कर सकेंगे। आप यह भी जान सकेंगे कि दी गयी शब्द सीमा में आप बात कैसे कह सकते हैं।

उत्तर का तीसरा और अंतिम प्रारूप तैयार कीजिए और देखिए कि आपने सारी आवश्यक बातें अपेक्षित शब्द सीमा में प्रस्तुत की हैं या नहीं।

घ) **व्याख्या** : इतिहास लेखन में व्याख्या की प्रक्रिया का अनन्य स्थान है। आपकी योजना तथा वस्तु चयन में भी व्याख्या की झलक दिखाई देगी। संभवतः, शायद, क्योंकि, इसलिए, आदि शब्दों के साथ आपके वक्तव्य व्याख्या की झलक देते हैं। यहां आपको ध्यान रखना होगा कि आपके तथ्य आपके वक्तव्य का समर्थन करते हैं अथवा नहीं।

**टिप्पणी** : अगर आपके पास समय सीमित हो तो :

1) पहला प्रारूप तैयार करें, उत्तर की संगतता, शब्द सीमा, आदि पर ध्यान दें, और
2) अंतिम प्रारूप तैयार करें।

अब आप उत्तर लिखने के लिए तैयार होंगे।

## अध्यापक जांच सत्रीय कार्य
## ई.एच.आई.-05
## भारत : 18वीं शताब्दी के मध्य से 19वीं शताब्दी के मध्य तक

**पाठ्यक्रम कोड : ई.एच.आई.-05**
**सत्रीय कार्य कोड : ई.एच.आई.-05/**
**ए.एस.टी./टी.एम.ए./2022-2023**
**पूर्णांक : 100**

**नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न के निर्धारित अंक प्रश्न के सामने लिखे हैं।**

**भाग 1: निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।**

1) प्राच्यवादियों और उपयोगितावादियों के मुख्य विचारों की चर्चा कीजिए। क्या उन्होंने ब्रिटिश साम्राज्य के निर्माण के उद्देश्य को पूरा किया? **20**

2) मैसूर और हैदराबाद ने राज्य के गठन के अलग–अलग रास्ते अपनाए। चर्चा कीजिए। **20**

3) औपनिवेशिक शासन के दौरान विऔद्योगिकरण शब्द से आप क्या समझते हैं? **20**

4) हिंदी–उर्दू विवाद की विवेचना कीजिए। क्या इसने सांप्रदायिक स्वरुप ग्रहण किया? **20**

**भाग 2: निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए।**

5) 18वीं शताब्दी के अंत और 19वीं शताब्दी के प्रारंभ में ब्रिटिश नीति को आकार देने में 'कानून के शासन' की क्या भूमिका थी? **12**

6) 1857 के विद्रोह की विफलता की विवेचना कीजिए। **12**

7) क्या भारत में 18वीं सदी ''अंधकार युग'' था? टिप्पणी कीजिए। **12**

8) 1833 के चार्टर अधिनियम का क्या प्रभाव था? चर्चा कीजिए। **12**

9) क्या स्थायी बंदोबस्त ने अपने उद्देश्यों को पूरा किया? टिप्पणी कीजिए। **12**

10) क्या बर्मा युद्ध अंग्रेजों के उद्देश्यों को पूरा करने में सक्षम थे? **12**

11) भारत में सामाजिक सुधारों को आगे बढ़ाने में ईश्वर चंद्र विद्यासागर की भूमिका की चर्चा करें। **12**

12) भारत में उपन्यास के उदय पर टिप्पणी कीजिए। **12**

**भाग 3: प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 100 शब्दों में दीजिए।**

13) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणियां लिखिए : **6+6**

(क) राजा राममोहन राय
(ख) रैयतवाड़ी बंदोबस्त
(ग) अंग्रेजों के अफगान युद्ध
(घ) मराठा राज्य की प्रकृति